प्रशिक्षण अवधि के दौरान आवास व्यवस्था (Accommodation)

संलग्न पंजीयन प्रारूप में प्राप्त अनुरोध के आधार पर संस्थान के विश्राम गृह/ होस्टल में रहनें की उचित सुविधा उपलब्ध करवाई जावेगी। अन्य स्थान पर रुकनें की पर व्यवस्था तथा उक्त परिस्थिति में प्रशिक्षण स्थल पर पहुचनें की व्यवस्था प्रशिक्षार्थी को स्वयं करनी होगी।

पात्रता की शर्तें (Eligibility criteria)

इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिभागिता पूर्णतय: निशुल्क है । सभी स्नातक एवं परास्नातक विद्यार्थी, गैर-सरकारी संस्थाओं, स्व: सहायता समूहों के प्रतिनिधि संभावित प्रशिक्षाणर्थी हो सकते हैं ।

महत्वपूर्ण तिथियाँ (Important dates)

07/08/2017: पंजीयन हेतु आवेदन की अंतिम तिथि ।

15/08/2017: संस्थान द्वारा चयनित प्रशिक्षणार्थियों को सूचना ।

20/08/2017: चयनित प्रशिक्षार्थियों द्वारा भागिदारिता का पुष्टिकरण।

महत्वपूर्ण सूचना

पँजीयन हेतु आवेदन निर्धारित प्रारुप का प्योग कर ईमेल द्वारा भी भेजा जा सकता है। प्शिक्षार्थियों से अनुरोध है कि समय पर सूचना प्राप्त करनें हेतु सही मोबाईल नंबर तथा ईमेल पता पँजीयन आवेदन में प्रेषित/प्रदान करे।

पंजीयन/ आवेदन का प्रारूप

वनों की उत्पादकता वृद्धि हेतु जैव कीटनाशकों एवं जैव उर्वरकों का प्रयोग

(5 – 7 सितंबर, 2017)

नाम :.....

पता :.....

.....

क्या रुकनें तथा भोजन व्यवस्था की आवश्यकता है ? (हाँ / नहीं): .....

दूरभाष :.....

मोबाइल: .....

ई. मेल : .....

तारीख :.....

हस्ताक्षर

कृपया उपरोक्त विवरण पंजीयन हेतु स्वयं, ई.मेल अथवा डाक द्वारा नीचे दिये पते पर प्रेषित करें:

डॉ. नितिन कुलकर्णी, प्रशिक्षण समन्वयक

वैज्ञानिक – जी, अध्यक्ष, कौशल विकास प्रकोष्ठ

उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान

पोस्ट – आर. एफ. आर. सी., मंडला रोड

जबलपुर (म.प्र.) – 482021

Phone - 0761-2840634,

अधिक जानकारी हेतु संपर्क करें -

1. डा. नितिन कुलकर्णी – 9425325430
2. डा. एस. एन. मिश्रा -9826177242

E. mail: headext_tfri@icfre.org,
tfriextension@gmail.com,
kulkarnin@icfre.org,
Website: http://tfri.icfre.gov.in

प्रशिक्षण कार्यक्रम

वनों की उत्पादकता वृद्धि हेतु जैव कीटनाशकों एवं जैव उर्वरकों का प्रयोग

(5 – 7 सितंबर, 2017)

आयोजक

कौशल विकास प्रकोष्ठ

उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद)

(पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार)

पोस्ट – आर. एफ. आर. सी., मंडला रोड

जबलपुर (म.प्र.) – 482021

Website: http://tfri.icfre.gov.in

प्रशिक्षण कार्यक्रम

वनों की उत्पादकता वृद्धि हेतु जैव कीटनाशकों एवं जैव उर्वरको का प्रयोग

(5 – 7 सितंबर, 2017)

बढती जनसँख्या के कारण बढी हुई- आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु अधिक उत्पादन की आवश्यकता है। जबकि उपजाऊ भूमि तथा उपलब्ध वन संसाधनों में दिनों-दिन कमी हो रही है। भूमि तथा वन उत्पादक्ता को बढानें हेतु रासायनिक कीट नाशकों तथा रासायनिक उर्वरको का प्रयोग आम है। किंतु इनके लंबे समय तक प्रयोग से भू-उत्पादक्ता में कमी तथा पारिस्थितकी तंत्र में इनके दुष्परिणामों का आकलन किया गया है। यह देखा गया है कि अजैविक कारकों के द्वारा होने वाले नुकसान से बचाव की तुलना में कीटों एवं रोगों से बचाव कुछ सरल है तथा उचित सावधानियों एवं उपायों से संभव है। इनके अलावा उत्पादन को बढ़ाने हेतु रासायनिक उर्वरकों के स्थान पर जैव उर्वरकों का प्रयोग कर पारिस्थितकि तंत्र को बिना नुकसान पहुँचाए भी उत्पादक्ता को बढाया जा सकता है। अतः जैविक कीटनाशक एवं जैव उर्बरकों के उपयोंग संबंधी जानकारी तथा उनके उत्पादन का ज्ञान एवं प्रशिक्षण, ना केवल भविष्य में इनकी लोकप्रियता बढ़ाने हेतु अपितु स्वयं द्वारा इनके उत्पादन द्वारा आपुर्ति हेतु भी आवश्यक है।

भारत सरकार द्वारा प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुसार भी इस प्रकार की पर्यावरणनुकूल तकनीकों का अधिक से अधिक विस्तार किया जाना है तथा प्रशिक्षण के द्वारा सामान्य जन-समूह में कौशल विकास भी किया जाना है। इस जैव-कीटनाशकों एंव जैव-उर्वरकों के उत्पादन एवं उपयोग की तकनीक का प्रयोग भविष्य में अतिरिक्त आय के स्त्रोत के रूप में भी प्रभावी रूप से उपयोग में लाया जा सकता है।

जबलपुर शहर

जबलपुर शहर पवित्र नर्मदा नदी के किनारे बसा है। यह शहर प्रदेश का एक प्रमुख सांस्कृतिक, प्रशासनिक एवं शैक्षणिक केन्द्र है, जहाँ पर प्रदेश का उच्च न्यायालय तथा अनुसंधान संस्थानों के अलावा चार विभिन्न विश्वविद्यालय भी स्थित हैं। यह शहर संगमरमर की चट्टानों के लिये विश्व प्रसिद्ध है। इसके अतिरिक्त यह शहर प्राचीन कल्चुरी कालीन चौसठ योगिनी मंदिर, डुमना प्राकृतिक रिजर्व, बरगी बाँध, तथा घुघुवा जीवाश्म पार्क हेतु भी प्रसिद्ध है।

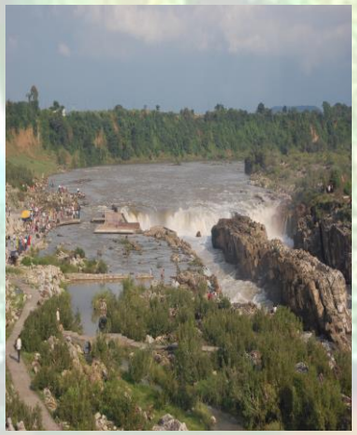

यह शहर कान्हा राष्ट्रीय उद्यान, पेंच राष्ट्रीय उद्यान तथा बान्धवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान से भी सड़क मार्ग से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। मध्य प्रदेश के भी लगभग मध्य में स्थित होने से यह शहर देश के लगभग सभी शहरों से रेल, बस एवं वायु मार्गों से भली-भाँति जुड़ा हुआ है। माह सितंबर में शहर का मौसम 25 – 30 ^{0}C तापमान के साथ अनुकूल रहता है।

उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान

उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार) के अंतर्गत मध्य क्षेत्र का एक प्रमुख वन अनुसंधान संस्थान है।

संस्थान लगभग 109 हेक्टेयर क्षेत्रफल में स्थित है तथा 8 अनुसंधान प्रभागों तथा 1 विस्तार प्रभाग के साथ विभिन्न राज्य वन विभागों, गैर-सरकारी संस्थाओं तथा स्व: सहायता समूहों के लिए वनों तथा पर्यावरण से संबंधित अनुसंधान हेतु कार्यरत है। संस्थान एक प्रमुख शैक्षणिक केन्द्र भी है।

प्रशिक्षण की रूप-रेखा

प्रशिक्षण कई संभावित सामान्य रूप-रेखा निम्न प्रकार से है -

1. उत्पादकता वृद्धि में जैव-उर्वरकों का उपयोग : एक अवलोकन।
2. फ़ील्ड में जैव-उर्वरकों के प्रयोग की विधि।
3. जैव-उर्वरकों के उत्पादन का प्रदर्शन एवं प्रयोगशालाओं का भ्रमण।
4. जैव-कीटनाशक : एक अवलोकन।
5. फील्ड में जैव-कीटनाशकों का उत्पादन।
6. जैव-कीटनाशकों एवं जैविक एजेंट्स के उत्पादन का प्रदर्शन।